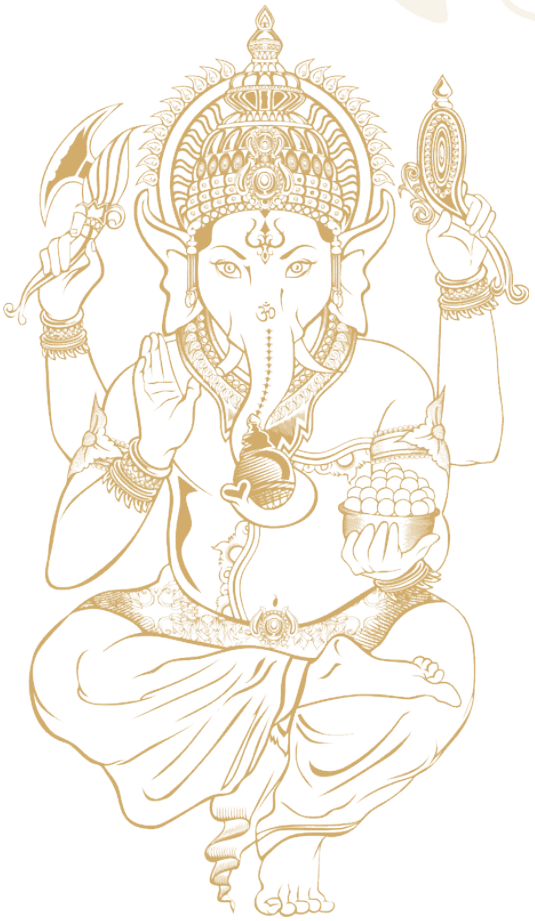

Vivek

05 Nov 1996

08:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121569418

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/11/1996**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:30:00 घंटे**
इष्ट	34:44:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल	23:09:20 घंटे
सूर्योदय	06:36:23 घंटे
सूर्यास्त	17:32:57 घंटे
दिनमान	10:56:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:39:47 तुला
लग्न के अंश	07:08:05 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:08:05	329:31:36	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			तुला	19:39:47	01:00:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			सिंह	14:39:57	11:59:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			सिंह	09:39:39	00:32:35	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	21:53:31	01:36:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु			धनु	19:44:51	00:10:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	14:48:51	01:12:58	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	व		मीन	07:28:19	00:02:49	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु			कन्या	13:42:58	00:01:40	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	13:42:58	00:01:40	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	07:07:45	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप			मक	01:24:49	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:25:30	00:02:17	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	22:25:13	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:47

लग्न-चलित

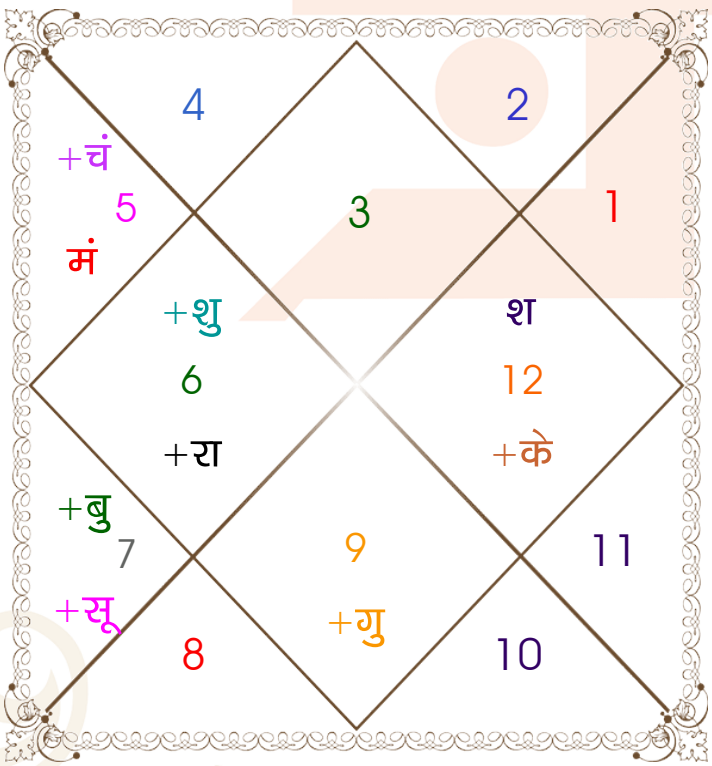

चन्द्र कुंडली

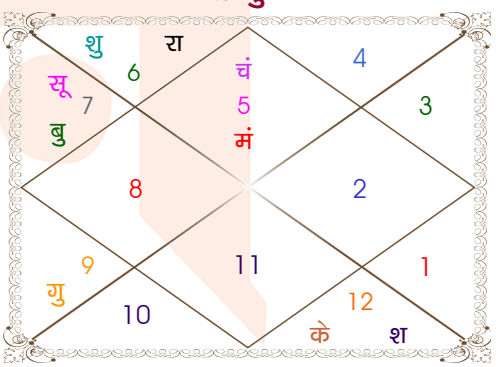

नवमांश कुंडली

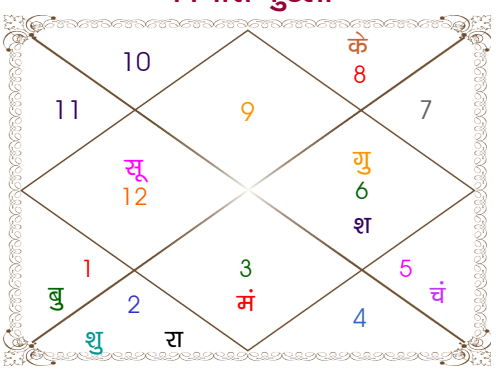

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 0 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/11/1996		06/11/2014		06/11/2020		06/11/2030		06/11/2037	
06/11/2014		06/11/2020		06/11/2030		06/11/2037		07/11/2055	
शुक्र	08/03/1998	सूर्य	24/02/2015	चंद्र	06/09/2021	मंगल	04/04/2031	राहु	19/07/2040
सूर्य	08/03/1999	चंद्र	25/08/2015	मंगल	07/04/2022	राहु	22/04/2032	गुरु	13/12/2042
चंद्र	06/11/2000	मंगल	31/12/2015	राहु	07/10/2023	गुरु	29/03/2033	शनि	19/10/2045
मंगल	06/01/2002	राहु	24/11/2016	गुरु	05/02/2025	शनि	08/05/2034	बुध	07/05/2048
राहु	06/01/2005	गुरु	12/09/2017	शनि	06/09/2026	बुध	05/05/2035	केतु	26/05/2049
गुरु	07/09/2007	शनि	25/08/2018	बुध	06/02/2028	केतु	01/10/2035	शुक्र	25/05/2052
शनि	06/11/2010	बुध	02/07/2019	केतु	06/09/2028	शुक्र	30/11/2036	सूर्य	19/04/2053
बुध	06/09/2013	केतु	07/11/2019	शुक्र	08/05/2030	सूर्य	07/04/2037	चंद्र	19/10/2054
केतु	06/11/2014	शुक्र	06/11/2020	सूर्य	06/11/2030	चंद्र	06/11/2037	मंगल	07/11/2055

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/11/2055		07/11/2071		06/11/2090		08/11/2107		07/11/2114	
07/11/2071		06/11/2090		08/11/2107		07/11/2114		00/00/0000	
गुरु	25/12/2057	शनि	09/11/2074	बुध	04/04/2093	केतु	05/04/2108	शुक्र	06/11/2116
शनि	07/07/2060	बुध	19/07/2077	केतु	01/04/2094	शुक्र	05/06/2109		00/00/0000
बुध	13/10/2062	केतु	28/08/2078	शुक्र	30/01/2097	सूर्य	11/10/2109		00/00/0000
केतु	19/09/2063	शुक्र	28/10/2081	सूर्य	06/12/2097	चंद्र	12/05/2110		00/00/0000
शुक्र	20/05/2066	सूर्य	10/10/2082	चंद्र	08/05/2099	मंगल	08/10/2110		00/00/0000
सूर्य	08/03/2067	चंद्र	10/05/2084	मंगल	05/05/2100	राहु	26/10/2111		00/00/0000
चंद्र	07/07/2068	मंगल	19/06/2085	राहु	22/11/2102	गुरु	01/10/2112		00/00/0000
मंगल	13/06/2069	राहु	25/04/2088	गुरु	27/02/2105	शनि	10/11/2113		00/00/0000
राहु	07/11/2071	गुरु	06/11/2090	शनि	08/11/2107	बुध	07/11/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।